Date
13/09/2011

PAGE NO.:
DATE:

माऊली सेवा प्रतिष्ठान
शिंगवे नाईक, अहमदनगर

Dear Sir,

मेरे पिताजी मुझे मिले हैं तो मुझे अभी बहुत अच्छा लगरहा। मेरे पिताजी मानसिक रूप १३ साल से गुमशुदा थे, तो मेरे पिताजी मुझे अभी शिंगवे नाईक, अहमदनगर (महाराष्ट्र) मिले हैं तो मैं अभी बहुत-बहुत ही खुश हूँ। मैं शब्दों में बता नहीं सकता।

~~मेरे~~ मेरे पिताजी गुम हो गए थे, तो मेरे माँ बहुत रोती थी। आज वो मेरे पापाजी मिलगए हैं तो, घर सभी लोग खुश हैं। ढूँढने-ढूँढने कई-साल बीत गए वो मिले नहीं तो हम बहुत परेशान हो गए थे, खाना-पीना अच्छा नहीं लगता था। आज मिले तो बहुत खुश हैं।

आपका सेवक

Kishor Hans
Amda Hans

Date